

## गतिविधि-6

|                                  |                         |
|----------------------------------|-------------------------|
| पाठ का नाम                       | भगवान के डाकिए          |
| कक्षा                            | आठ                      |
| गतिविधि का नाम                   | पत्रिका-निर्माण         |
| स्तर                             | सामूहिक                 |
| कौशल                             | लेखन                    |
| समय                              | 30-35 मिनट              |
| समूह में विद्यार्थियों की संख्या | 8 विद्यार्थी            |
| सामग्री                          | कागज़, कलम, रंगीन कलम । |

### 1 उद्देश्य

- पुस्तक-निर्माण कला को सीख सकेंगे ।

### 2 अध्यापिका गतिविधि : अध्यापिका क्रियाविधि के निर्देश :-

- कार्य विभाजन के अनुसार कुल पाँच समूह बनाए जाएँगे ।
- सभी समूहों को पत्रिका निर्माण से जुड़ा एक-एक कार्य दिया जाएगा ।  
जैसे = 1) पहला समूह मुख्य पृष्ठ निर्माण , विषय सूची और प्रस्तावना लिख कर संपूर्ण कार्य को पत्रिका के रूप में प्रस्तुत करेगा ।  
2) दूसरा समूह डाकिए की चिट्ठी और भगवना द्वारा भेजे संदेश में अंतर स्पष्ट करेगा ।  
3) तीसरा समूह इंटरनेट की दुनिया पर आधारित निबंध/अनुच्छेद लिखेगा ।  
4) चौथा समूह (परोपकार, भाईचारा, एकता, सद्भावना, प्रेम आदि गुणों पर आधारित) नारा लेखन करेगा ।  
5) पाँचवा समूह डाकिए पर आधारित स्वरचित कविता का निर्माण करेगा ।
- भाषा सरल एवं शुद्ध होनी चाहिए ।

### 3. शिक्षार्थी गतिविधि :-

- कार्य विभाजन के अनुसार विद्यार्थी पाँच समूह बनाएँगे ।
- सभी समूह पत्रिका निर्माण से जुड़ा अपना-अपना कार्य [ मुख्य पृष्ठ निर्माण, विषय सूची और प्रस्तावना लिखना); डाकिए की चिट्ठी और भगवना द्वारा भेजे संदेश में अंतर स्पष्ट करना ; इंटरनेट की दुनिया पर आधारित निबंध/अनुच्छेद लिखना ,(परोपकार, भाईचारा, एकता, सद्भावना, प्रेम आदि गुणों पर आधारित) नारा लेखन तथा डाकिए पर आधारित स्वरचित कविता का निर्माण ] करेगा । और इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि भाषा सरल एवं शुद्ध हो ।

### 4. मूल्यांकन के मानदण्ड :-

| क्रम संख्या | मूल्यांकन के क्षेत्र     | अंक-10 |
|-------------|--------------------------|--------|
| 1           | विषय की प्रस्तुति        | 3      |
| 2           | प्रभावोत्पादकता          | 3      |
| 3           | भाषा का स्तर एवं शुद्धता | 2      |
| 4           | कार्य की पूर्णता         | 1      |
| 5           | समयबद्धता                | 1      |